वनों के विकास की केन्द्रीय और विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाएं

334. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल** : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) गत तीन वर्षो के दौरान गुजरात में पर्यावरण सुधार तथा वन-विकास के लिए लागू की गई केन्द्रीय तथा विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाओं का ब्यौरा हैं;

(ख) इस संबंध में जिलावार क्या उपलब्धियां रही;

(ग) राय को इस संबंध मे कितनी वित्तीय सहायता दी गई हैं;

(घ) राज्य सरकार ने इस आवंटित वित्तीय सहायता में से कितनी राशि का वास्तव में उपयोग किया; और

(ड.) निकट भविष्य में शुरू की जाने वाली परियोजनाओं का ब्यौरा क्या हैं?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) से (घ) गत तीन वर्षो के दौरान गुजरात में पर्यावरण सुधार और वनों के विकास के लिए संचालित केन्द्रीय और विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाओं के ब्यौरे के साथ-साथ वित्तीय और भौतिक उपलब्धियां तथा कवर किए गए जिले अनुपत्र में दिए गए हैं। (देखिए परिशिष्ट 175 अनुपत्र सं, 10)

(ड.)ये परियोजनाएं सतत् स्वरूप की हैं।

गुजरात के सौराष्ट्र कच्छ क्षेत्र में टेलीफोन जनसंख्यस अनुपात संबंधी अध्ययन

335. **श्री राजूभाई ए. परमार** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) क्या दूरसंचार विभाग के आर्थिक अनुसंधान एकक द्वारा गुजरात अनुपात के संबंध में कोई अध्ययन किया हैं;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या हैं;

(ग) क्या सरकार सौराष्ट्र-कच्छ की दूरसंचार नेटवर्क विस्तार योजना में कोई संशोधान करने का विचार रखती हैं;

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या हैं; और

(ड.) सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में, विशेषकर राजकोट और जामनगर शहर में टेलीफोन की प्रतीक्षा सूची में व्यक्तियों की संख्या में कमी लाने के लिए क्या कदम उठाए जाने का विचार हैं?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

(ड.) सौराष्ट्र तथा कच्छ क्षेत्र में और राजकोट तथा जामनगर शहरों के लिए वर्ष 1995-96 के दौरान टेलीफोन नेटवर्क के विस्तार तथा स्विचन गौण क्षेत्र वार प्रतीक्षा सूची के लक्ष्य संलग्न विवरण में दिए गए हैं।